>

Title: Need to ban use of chemical fertilizers and pesticides in the country.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): सभापति महोदय, हम सब जानते हैं कि जब पूरी दुनिया अंधकार युग एवं पाषाण युग में थी, तब हमारे देश में कृषि का जन्म हुआ था, विकास हुआ था। कई सदियों से अच्छे खाद्यान्न हमारे देश में तैयार होते आए हैं। लेकिन जब से हरित क्रान्ति के नाम से अधिक उत्पादन करने हेतु रासायनिक उर्वरक तथा कीटनाशकों का प्रयोग शुरू हुआ है, तब से समाज में व्याधियां बढ़ने लगी हैं। पहले 70 के दशक तक न तो गांव में कीटनाशक थे और न ही कैंसर जैसी व्याधियां थीं।

महोदय, हरित क्रंति बहुराष्ट्रीय कंपनियों की कुटिल चाल है। ये हमारे ग्रामीण समाज को पंगु बनाकर अपनी तिजोरियां भरने का काम करती हैं तथा जिसको सरकार का समर्थन एवं संरक्षण मिल रहा है।

महोदय, अधिक उत्पादन के लालच में उर्वरकों तथा कीटनाशकों का ज्यादा उपयोग होने लगा है। जिसके कारण जमीन की उर्वरा शक्ति तेजी से खत्म होती जा रही है। जमीन अनउपजाऊ तथा बंजर बन रही है। उत्पादित खाद्यान्न स्वादहीन तथा जहरीले बन रहे हैं। हरी सब्जियां तथा फल भी सलामत नहीं रहे। सब्जियों के विकास तथा फलों को पकाने के लिए हार्मोन्स तथा कैमीकल्स प्रयोग में लाए जा रहे हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो रहे हैं।

महोदय, तीन दशक पहले देश में कैन्सर के इक्का-दुक्का मामले होते थे और वह भी जीवन के संध्याकाल में। परंतु अब तो इस कैमीकलयुक्त जहरीले खुराक ने कैंसर, लीवर, किडनी, हृदय के रोग जैसी गंभीर बीमारियां आम बात हो गई हैं। बीमारियों ने बच्चे, बूढ़े और जवान सबसको अपने चपेट में ले रखा है। कभी-कभी तो चिकित्सक भी बीमारियों के नहीं समझ सकते।

महोदय, हरितक्रंति से शायद थोड़ा उत्पादन जरूर बढ़ा होगा, लेकिन अब जमीन की उर्वरा शक्ति खलास होने से उत्पादन कम होता जा रहा है। लोगों का स्वास्थ्य गंभीर रूप से बिगड़ रहा है, जो हमारे सबके लिए चिंता का विषय है। अगर समाज स्वस्थ एवं तंदुरुस्त नहीं रहेगा तो फिर ज्यादा उत्पादन करने का क्या फायदा?

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि कृषि में प्रयोग हो रहे रासायनिक खाद्य, कीटनाशकों, नए कैमीकल्स के ऊपर अंकुश या रोक लगाई जाए। बाजार में बिक रही सब्जियों, फलों तथा खाद्यान्नों की नियामक संस्था का गठन करके नियमित जांच करनी चाहिए। नुकसान करने वाले फलों, सब्जियों को नष्ट करके दोÂाळ लोगों को सजा देनी चाहिए तथा जनजागृति अभियान द्वारा लोगों को जागृत करना चाहिए तथा जैविक कृषि को बढ़ावा देने का काम करना चाहिए।